खण्ड 'A'   SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

1.(a) "संप्रत्ययों के बिना इन्द्रिय-बोध दृष्टिहीन हैं तथा इन्द्रिय-बोध से रहित सम्प्रत्यय रिक्त हैं।" उपरोक्त कथन के आलोक में विवेचना कीजिए कि किस प्रकार कान्ट बुद्धिवाद तथा अनुभववाद का समन्वय करते हैं।

"Precepts without concepts are blind and concepts without precepts are empty." In the light of this statement discuss how Kant reconciles rationalism with empiricism. 10

1.(b) "इतिहास द्वंद्वात्मक बदलाव की प्रक्रिया है।" इस कथन के आलोक में इतिहास को समझने के लिए हेगल के दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए।

"History is a process of dialectical change." In the light of this statement discuss Hegel's approach in understanding history. 10

1.(c) "उस वस्तु को स्वतन्त्र कहा जा सकता है जो केवल अपने स्वरूपवश अनिवार्यतः अस्तित्ववान हो, और जो स्वयमेव कृत्यप्रति नियतिबद्ध हो।" इस कथन के आलोक में स्पिनोजा के नियतत्ववाद तथा स्वातन्त्र्य संबंधी विचारों की विवेचना कीजिए।

"That thing is said to be free which exists solely from the necessity of its own nature, and is determined to action by itself alone." Discuss Spinoza's views on freedom and determinism in the light of the above statement. 10

1.(d) व्यक्ति को आत्मा का मूलतत्त्व मानते हुए कीर्केगार्द किस प्रकार हेगल की सार्वभौम आत्मा की अवधारणा के विरुद्ध युक्ति प्रस्तुत करते हैं ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does Kierkegaard argue against Hegel's idea of universal spirit in favour of the individual as the essence of spirit ? Critically discuss. 10

1.(e) यह सिद्ध करने के लिए कि संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय संभव हैं कांट क्या युक्तियाँ प्रस्तुत करते हैं ? सोदाहरण विवेचना कीजिए।

What are the main arguments offered by Kant to prove that apriori synthetic judgements are possible ? Discuss with examples. 10

2. (a) 'कारणता संसर्ग के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त पर आधारित आदत संबंधी विषय है'– ह्यूम के इस तर्क का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Critically analyse Hume's argument that causality is a matter of habit/custom involving psychological principle of association. 20

2. (b) अरस्तु के वास्तविकता तथा शक्यता के बीच प्रभेद की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए। क्या यह प्राचीन ग्रीक दर्शन में प्रस्तुत सत् तथा संभवन की समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है ? उचित उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Present an exposition of Aristotle's distinction between actuality and potentiality. Does it provide a solution to the problem of being and becoming as presented in ancient Greek philosophy ? Discuss with suitable examples. 15

2. (c) देकार्त का जन्मजात प्रत्यय सिद्धान्त तथा वे आधार जिन पर लॉक उनका खण्डन करते हैं, की व्याख्या कीजिए।

Discuss Descartes' theory of innate ideas and the grounds on which Locke refutes it. 15

3. (a) क्या तार्किक भाववादीयों द्वारा प्रस्तावित तत्त्वमीमांसा की अस्वीकृति अर्थ की समस्या अथवा ज्ञान की समस्या अथवा वस्तुओं के स्वरूप की समस्या या फिर इन सभी से जुड़ी हुई है ? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Does the rejection of metaphysics as proposed by Logical Positivists relate to problem of meaning or problem of knowledge or nature of things or all of them together ? Discuss with suitable examples. 20

3. (b) हुसरल की सवृत्तिशास्त्रीय विधि में कोष्ठीकरण तथा अपचयन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Elucidate the significance of bracketing and reduction in Husserl's phenomenological method. 15

3. (c) "चेतना वह है जो यह नहीं है और यह वह नहीं है जो कि यह है।" इस कथन के आलोक में सार्त्र की चेतना की अवधारणा की प्रमुख विशेषताओं को उजागर कीजिए।

"Consciousness is what it is not and is not what it is." In the light of this statement bring out the chief features of Sartre's conception of consciousness. 15

4.(a) स्ट्रॉसन व्यक्ति को एक आद्य अवधारणा क्यों मानते हैं ? मनस-शरीर द्वैतवाद के लिए इसका क्या निहितार्थ है ? विवेचना कीजिए ।

Why does Strawson consider person to be a primitive concept ? What implication does it have for the mind-body dualism ? Discuss. 20

4.(b) रसैल के अनुसार यह प्रतिज्ञप्ति – "फ्रान्स का वर्तमान राजा गंजा है" क्यों समस्याग्रस्त है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

Why according to Russell is the proposition – "The present king of France is bald" problematic ? Critically discuss. 15

4.(c) किन प्रमुख कारणों से विट्गेन्स्टाइन अपना रूख अर्थ के चित्र-सिद्धान्त से अर्थ के प्रयोग-सिद्धान्त की ओर कर लेते हैं ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

What were the main reasons that led Wittgenstein to shift from picture-theory of meaning to use-theory of meaning ? Critically discuss. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

5.(a) "सभी मानवीय ज्ञान आनुभविक है तथा इस कारण सापेक्ष है ।"
उपरोक्त कथन के आलोक में जैनों के सप्तभंगीनय सिद्धान्त की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए ।

"All human knowledge is empirical and therefore relative." Critically examine Jaina theory of sevenfold judgement (saptabhanginaya) in the light of above statement. 10

5.(b) "यदि पुरुष और प्रकृति दो पूर्ण रूप से स्वतन्त्र सत्ताएं हैं तो इन दोनों के बीच कोई भी संबंध सम्भव नहीं है ।" इस कथन के आलोक में शंकर की सांख्य द्वैतवाद की आलोचना का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

"If Puruṣa and Prakṛti are two completely independent realities, then no relation between the two is possible." In the light of this statement make a brief presentation of Śaṅkara's criticism of Sāṁkhya dualism. 10

5.(c) महावाक्य 'तत् त्वम् असि' की अद्वैतवादी व्याख्या क्या है ? संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

What is Advaitin interpretation of the great sentence (mahāvākya) 'Thou art that' (tat tvam asi) ? Briefly discuss. 10

5.(d) वैशेषिकों के कथन – "अभाव भाव का प्रतियोगी होता है तथा निरपेक्ष अभाव असम्भव है" – के प्रकाश में उनकी अभाव की अवधारणा का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Present an account of Vaiśeṣika's view of negation in the light of their statement – "Negation always has a counterpositive and absolute negation is an impossibility." 10

5.(e) ऑरबिन्दो के दर्शन के अनुसार विकासक्रम में अतिमनस (सुपरमाइन्ड) के स्वरूप तथा भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

Explain the nature and role of Supermind in evolution as per Aurobindo's philosophy. 10

6.(a) शंकर की ब्रह्म और ईश्वर संबंधी अवधारणाओं की रामानुज द्वारा की गई आलोचना की विवेचना कीजिए ।

Discuss Rāmānuja's criticism of Śaṅkara's conception of Brahman and Īśvara (God). 20

6.(b) अनुपलब्धि प्रमाण पर भट्ट मत प्रस्तुत कीजिए ।

Present Bhatta's view of anupalabdhi (non-cognition) as a valid means of knowledge. 15

6.(c) नैयायिकों के लौकिक एवं अलौकिक प्रत्यक्ष सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिए । सामान्य अथवा जाति का प्रत्यक्ष होता है, इसे स्वीकार करने में क्या वे न्याय संगत हैं ? विवेचना कीजिए ।

Elucidate Naiyāyikas view of ordinary and extraordinary perception. Are they justified in accepting that universals are perceived ? Discuss. 15

7.(a) वैध हेतु के पाँच लक्षणों के संदर्भ में नैयायिकों की हेत्वाभास की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।

Elucidate Naiyāyikas account of fallacies of the middle term in relation to five characteristics of valid middle term. 20

7.(b) अद्वैतवेदान्तियों के अनुसार मोक्ष पूर्व प्राप्त की पुनः प्राप्ति (प्राप्तस्य प्राप्ति) है । इस कथन को शंकर किस प्रकार उदाहरणों से स्पष्ट करते हैं ? अपनी टिप्पणियों सहित विवेचना कीजिए ।

Liberation is defined by Advaita Vedāntins as 'attainment of that which is already attained'. How does Śaṅkara illustrate this statement ? Discuss with your own comments. 15

7.(c) योग दर्शन के अनुसार चित्त एवं चित्तवृत्तियों की व्याख्या कीजिए । योग दर्शन चित्तवृत्तियों के निरोध का निर्देश क्यों देता है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

Explain Chitta and its modifications in the philosophy of Yoga. Why does Yoga philosophy prescribe cessation of modifications of Chitta? Give reasons in support of your answer. 15

8.(a) "प्रतीत्यसमुत्पाद को न जानना दुख है जबकि उसका ज्ञान दुख का अंत है ।"
उपरोक्त कथन के आलोक में बौद्धों के मोक्षशास्त्र की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए ।

"Ignorance of dependent origination is suffering while its knowledge is cessation of suffering."
Present an account of Buddhist soteriology in the light of above statement. 20

8.(b) न्यायदर्शन में प्रागभाव के अवधारणा पर एक टिप्पणी लिखिए । यह अवधारणा किस प्रकार सांख्य के कारणता सिद्धान्त के प्रतिपक्ष में नैयायिकों की अपने कारणता सिद्धान्त की प्रतिरक्षा में सहायता करती है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

Write a note on Nyāya notion of Prāgabhāva (prior non-existence). How does this notion help Naiyāyikas in defending their position on causation against the Sāṁkhya view of causation ? Critically discuss. 15

8.(c) क्या पद/शब्द सामान्य को अथवा विशेष को अथवा दोनों को इंगित करते हैं ? इस विषय पर न्याय तथा मीमांसा मतों की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए ।

Do words refer to universals or particulars or both ? Present an exposition of Nyāya and Mīmāṁsā position with regard to above question along with suitable examples. 15